

- अंधेर नगरी चौपट राजा, टका सेर = मूर्ख शासक के राज्य में सर्वत्र कुव्यवस्था व अन्याय
भाजी टका सेर खाजा दिखाई देता है।
- अंधों में काना राजा (सर ताज) = अयोग्य व्यक्तियों के बीच कम योग्य व्यक्ति ही श्रेष्ठ
मान लिया जाता है।
- अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता = अकेला आदमी कोई बड़ा काम अर्थात् अनेक व्यक्तियों
के द्वारा करने योग्य काम, नहीं कर सकता।
- अकल बड़ी कि भैंस (वयस) = शारीरिक बल से बुद्धि बल बड़ा होता है, बुद्धिमान
अथवा अकल बड़ी या बहस व्यक्ति वयोवृद्ध व्यक्ति से अधिक महान होता है। बहस
की अपेक्षा बुद्धि से काम लेना अच्छा है।
- अधजल गगरी छलकत जाय = थोड़ी उपलब्धि से अपनी शेखी बघारना या बहुत
इतराना।
- अपना हाथ जगन्नाथ = 1. अपना काम स्वयं कर लेना ही सबसे अच्छा होता
है।
2. जहाँ अपना अधिकार है, वहीं सब ठीक है।
- अपनी डफली, अपना राग = अलग-अलग विचार होने पर मिलकर कोई काम करना
संभव नहीं है।
- अपनी अकल और अपनी संतान = अपनी बुद्धि को और अपने पुत्र-पुत्रियों को श्रेष्ठ समझना
सबसे बढ़कर लगती है मानव स्वभाव है।
- अपनी अकल और परायी दौलत = हर व्यक्ति स्वयं को बहुत बुद्धिमान समझता है और दूसरे
बड़ी मालूम होती है की धन-संपत्ति को जितनी वास्तव में हो उससे अधिक
मानता है- यह मानव स्वभाव है।
- अपनी इज्जत अपने हाथ = 1. अपने मान-सम्मान का ध्यान स्वयं रखना चाहिए
जिससे प्रतिष्ठा न घटे।
2. ओछे/नीचे स्वभाव वाले व्यक्तियों से विवाद या
झगड़ा नहीं करना चाहिए क्योंकि उससे अपनी ही
इज्जत घटती है।
- अपनी करनी पार उतरनी = स्वयं काम करने से ही काम होता है, दूसरों के भरोसे
काम नहीं होता।